नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 049
दि. 18.06.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'ड्यूटी पर रील मत बनाओ, सिस्टम पर उंगली उठती है', रीलबाज पुलिसवालों को सीएम योगी की नसीहत

लखनऊ के लोकभवन में सीएम योगी ने कहा कि ड्यूटी पर रील बनाकर आप लोग हंसी का पात्र बनते हैं। लोगों को सिस्टम पर उंगली उठाने का मौका मिलता है, इसलिए ऐसा मत करिए।

(जीएनएस)।

लखनऊः अक्सर आपने देखा होगा कि सोशल मीडिया पर कुछ सरकारी कर्मचारी या पुलिस के जवान रील बनाते हुए नजर आते हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसा करने वाले सरकारी कर्मचारियों को नसीहत दी है। सीएम योगी ने कहा कि ड्यूटी के दौरान रील बनाना अनुशासनहीनता का ही एक हिस्सा है। ये सब नहीं करना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऐसा करने से आप लोग हंसी का पात्र बनते हैं, जो सही नहीं है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने ये बातें बुधवार को लखनऊ के लोक

भवन में नवनियुक्त 930 कंप्यूटर ऑपरेटरों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए कही। सीएम योगी ने कहा, 'अक्सर हम लोग देखते हैं कि ड्यूटी के दौरान बहुत सारे लोग रील बनाते रहते हैं। ये अनुशासनहीनता का ही एक पार्ट है। उस समय हमें अपनी ड्यूटी के प्रति सजग होना होगा, ना कि रील बनानी होगी। इस बात का हमें ध्यान रखना है कि जो हमारा काम है, उसके प्रति उतनी ही सतर्कता और गंभीरता भी होनी चाहिए, तभी वह काम गरिमापूर्ण तरीके से परिणाम दे पाएगा।'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकारी कर्मचारियों को नसीहत देते हुए कहा, 'हमें कोई ऐसा कार्य नहीं करना चाहिए, जो अनावश्यक तौर पर हमें हंसी का पात्र बनाए। इससे सिस्टम पर अनावश्यक उंगली उठाने का प्रयास होता है। कुछ लोग अपने आप कुछ कर नही सकते, तो अनावश्यक सिस्टम पर उंगली उठाते हैं। जिसकी जहां ड्यूटी है, वह कार्य करेगा तो परिणाम अपने आप आएगा। उस परिणाम को लाने के लिए टीम भाव के साथ हम सबको आगे बढ़ना होगा।'

कानून व्यवस्था पर सीएम योगी का कड़ा संदेश

माना जा रहा है कि इस नसीहत के जरिए सीएम योगी ने साफ तौर पर कानून व्यवस्था और अनुशासन पर कड़ा संदेश दिया है। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि याद कीजिए वो दौर, जब 2017 से पहले प्रदेश के अंदर त्योहारों और उत्सव के मौके पर दंगे और उपद्रव होते थे। मुरादाबाद की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक समय था, जब डीआईजी स्तर के अधिकारी पर भीड़ ने हमला कर दिया था। लेकिन, आज प्रदेश में कानून का राज है।

यूपी पुलिस को मिले 930 नए कंप्यूटर ऑपरेटर, सीएम योगी ने बांटे नियुक्ति पत्र

लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में बोले मुख्यमंत्री, ड्यूटी के दौरान रील बनाना अनुशासनहीनता, स्मार्ट पुलिसिंग में निभानी होगी बड़ी भूमिका

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ के लोकभवन में मिशन रोजगार के तहत उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा चयनित 930 कंप्यूटर ऑपरेटर (ग्रेड-ए) को नियुक्ति पत्र वितरित किए. इस अवसर पर उन्होंने नवचयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए भर्ती बोर्ड की सराहना की.

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी चयनित अभ्यर्थी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत विजन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे. उन्होंने आत्मअनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और कार्य के प्रति गंभीरता को सफलता की कुंजी बताया. योगी ने कहा कि ड्यूटी के दौरान रील बनाना अनुशासनहीनता है और पुलिसकर्मियों को ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए जिससे विभाग की छवि प्रभावित हो.

उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश पुलिस ने जनसेवा और सुशासन के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है. राज्य में सवा दो लाख से अधिक पुलिस कर्मियों की भर्ती पारदर्शी तरीके से की गई है. मुख्यमंत्री ने दावा किया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है और पुलिसिंग के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक तथा डिजिटल सेवाओं का तेजी से विस्तार हुआ है.

कार्यक्रम में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद और डीजीपी राजीव कृष्णा समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे.

पीएम मोदी बोले- 15 जुलाई से लागू होगा भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता; क्या-क्या हो जाएगा सस्ता?

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 15 जुलाई से लागू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश के रिश्तों को काफी बढ़ावा मिलेगा।

भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए को आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) के तौर पर जाना जाता है। लगभग तीन साल की बातचीत के बाद दोनों देशों ने इस समझौते पर पिछले साल जुलाई में हस्ताक्षर किए

थे।

इंटरनेट मीडिया पर प्रधानमंत्री ने कहा, यह समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देगा। यह भारतीय किसानों, मजदूरों, एमएसएमई, स्टार्टअप के लिए भी कई मौके खोलेगा और विकसित भारत 2047 को पूरा करने में अहम योगदान देगी। इस समझौते का सबसे बड़ा फायदा भारतीय निर्यात उद्योग को मिलने की उम्मीद है।

ब्रिटेन ने इलेक्ट्रानिक्स, टेक्सटाइल, केमिकल्स, फार्मास्यूटिकल्स, खिलौने, रत्न एवं आभूषण जैसे कई भारतीय उत्पादों पर आयात शुल्क को शून्य करने का फैसला किया है। इससे भारतीय कंपनियों के लिए ब्रिटिश बाजार में प्रतिस्पर्धा करना आसान होगा। विशेष रूप से श्रम-आधारित उद्योगों को बड़ा लाभ मिलने की संभावना है, क्योंकि इन क्षेत्रों में पहले 8 से 20 प्रतिशत तक शुल्क लगता था।

भारत के कपड़ा और चमड़ा उद्योग को इस समझौते से विशेष लाभ मिलने वाला है। टेक्सटाइल और परिधान उत्पादों पर लगने वाला शुल्क समाप्त होने से भारतीय उत्पाद ब्रिटेन में अधिक प्रतिस्पर्धी बन जाएंगे।

वहीं लेदर उत्पादों पर 16 प्रतिशत तक के शुल्क में कटौती से भारतीय कंपनियों के लिए नया बाजार खुलेगा। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि अगले एक-दो वर्षों में भारत ब्रिटेन के लेदर बाजार में अपनी हिस्सेदारी उल्लेखनीय रूप से बढ़ा सकता है।

नीट पेपर से पहले टेलीग्राम चैनल पर बैन से बवाल, हाईकोर्ट पहुंचा मामला, CEO बोले-ऐसे नहीं होगी प्राब्लम खत्म

देश में एक नया विवाद खड़ा हो गया है। केंद्र सरकार ने परीक्षा में पेपर लीक और फर्जी सवालों के प्रसार को रोकने के लिए मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया था। लेकिन अब यह फैसला अदालत की चौखट तक पहुंच गया है। लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ी इस परीक्षा से ठीक पहले टेलीग्राम ने सरकार के आदेश को चुनौती देते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर दी है। एक तरफ सरकार का दावा है कि परीक्षा की सुरक्षा और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए यह कदम जरूरी है।

मेरठ-ऋषिकेश के बीच हाई स्पीड नमो भारत ट्रेन का रास्ता साफ, जल्द होगा सर्वे

(जीएनएस)।

नमो भारत हाई-स्पीड ट्रेन परियोजना आगे बढ़ रही है, जिसमें मेरठ से ऋषिकेश तक 150 किमी के प्रस्तावित मार्ग पर मुजफ्फरनगर, रुड़की और हरिद्वार से होकर गुजरेगी। राज्य-वार सहमति के बाद जल्द ही उच्चफ सर्वेक्षण शुरू होंगे, जिससे रेल कनेक्टिविटी बढ़ेगी और दिल्ली से ऋषिकेश तक यात्रा का समय लगभग तीन घंटे तक कम हो जाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रयासों से मेरठ और ऋषिकेश के बीच हाई स्पीड नमो भारत ट्रेन (आरआरटीएस) के विस्तार का रास्ता साफ हो गया है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) के बीच इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर सहमति बन गई है। अब कुल 150 किलोमीटर लंबे प्रस्तावित ट्रैक की

डीपीआर तैयार करने के लिए जल्द ही सर्वे शुरू किया जाएगा।

गौरतलब है कि फरवरी 2026 में दिल्ली से मेरठ के मोदीपुरम तक नमो भारत ट्रेन का संचालन शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लगातार इस सेवा को ऋषिकेश तक विस्तार देने के लिए प्रयासरत थे। उन्होंने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर इस संबंध में प्रस्ताव भी सौंपा था, जिसके बाद इस परियोजना को मंजूरी मिली।

परियोजना को गति देने के लिए उत्तराखंड सरकार ने अपर सचिव रीना जोशी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है, जबकि एनसीआरटीसी और उत्तर प्रदेश सरकार ने भी अपने-अपने स्तर पर आवश्यक नियुक्तियां और सहमति प्रदान कर दी है।

'अपना सपना मनी मनी' 6 सांसदों की बगावत के बीच भारी-भरकम पैसे का लालच दिये जाने की ओर इशारा दे रहे हैं संजय राउत

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बहुत बड़ा भूचाल आने के संकेत मिल रहे हैं। पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे की शिवसेना (UBT) के लोकसभा सांसदों में एक बार फिर फूट की खबरें हैं। इस बीच, पार्टी के सीनियर नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने अपना सपना मनी मनी वाला दावा लगाकर देश की राजनीति में सनसनी फैला दी है।

संजय राउत का आरोप है कि उद्धव ठाकरे के सांसदों को पाला बदलने के लिए भारी-भरकम पैसे का लालच दिया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि हर एक सांसद को 50 करोड़ रुपये देने का वादा किया गया है, जिसमें से 15 करोड़ रुपये एडवांस के तौर पर दिए जा रहे हैं।

संजय राउत ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई, जिसमें उनके साथ पार्टी के वफादार सांसद अरविंद सावंत, अनिल देसाई और राजाभाऊ वाजे भी मौजूद थे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में संजय राउत ने कहा-"मुझे एक बहुत जरूरी और बड़े व्यक्ति का फोन आया था। उसने मुझे बताया कि महाराष्ट्र में सांसदों को खरीदने की कोशिश हो रही है। उन्हें 50 करोड़ रुपये का ऑफर है और 15 करोड़ रुपये तो एडवांस (पेशगी) के तौर पर दिए जा रहे हैं।"

राउत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (X) पर भी लिखा- "हैरान करने वाली जानकारी मिली है कि महाराष्ट्र के सांसदों को आज रात ही 15-15 करोड़ रुपये एडवांस दिए जा रहे हैं। अपना सपना मनी मनी।" राउत ने चेतावनी दी कि जो सांसद पार्टी के चुनाव चिह्न (मशाल) पर जीतकर आए हैं, उन्हें गद्दारी करने का कोई हक नहीं है। इस बार जनता इन्हें माफ नहीं करेगी और इसका कड़ा विरोध होगा।

सभी 9 सांसदों को बैठक में बुलाया गया

पार्टी में टूट की खबरों के बीच शिवसेना (UBT) के लोकसभा दल के नेता अरविंद सावंत ने सभी 9 सांसदों को गुरुवार सुबह 11 बजे होने वाली बैठक में शामिल होने का निर्देश दिया है। संजय राउत ने कहा कि जो सांसद पार्टी के चुनाव चिह्न पर जीतकर संसद पहुंचे हैं, उन्हें पार्टी के साथ विश्वासघात करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई ऐसा कदम उठाता है तो जनता इसकी प्रतिक्रिया देगी।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि विरोधी खेमा (एकनाथ शिंदे गुट) उद्धव ठाकरे की पार्टी के सांसदों को अपने पाले में लाने के लिए एक खास मिशन चला रहा है, जिसे 'ऑपरेशन टाइगर' नाम दिया गया है। यह चर्चा तब और तेज हो गई जब दो दिन पहले उद्धव ठाकरे ने मुंबई में अपने घर पर सभी 9 लोकसभा सांसदों की एक मीटिंग बुलाई थी, लेकिन उसमें सिर्फ 4 सांसद ही पहुंचे थे। तभी से कयास लगाए जा रहे हैं कि बाकी के सांसद पार्टी से नाराज हैं और वो पाला बदल सकते हैं।

समझिए क्या कहता है एंटी-डिफेक्शन लॉ का गणितः क्यों अहम हैं 6 सांसद?

इस दल बदल को समझने के लिए आपको सबसे पहले एंटी-डिफेक्शन लॉ को समझना होगा। संविधान के मुताबिक, अगर कोई सांसद अकेले या छोटे गुट में पार्टी छोड़ता है, तो उसकी संसद सदस्यता रद्द हो सकती है। लेकिन इस कानून में एक तोड़ हैः

2/3 (दो-तिहाई) का नियमः अगर किसी पार्टी के कुल सांसदों में से दो-तिहाई (2/3) सांसद एक साथ टूटकर अलग गुट बनाते हैं, तो उनकी सदस्यता बची रहती है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना (वइळ) के पास लोकसभा में कुल 9 सांसद हैं। 9 का दो-तिहाई 6 होता है। यानी अगर 6 सांसद एक साथ अलग होते हैं, तो दलबदल कानून के तहत उन पर कोई आंच नहीं आएगी।

'3 भारतीयों की हत्या पर प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट तक नहीं किया', केजरीवाल ने उठाए सवाल

(जीएनएस)।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के दौरान तीन भारतीयों की हत्या को लेकर भारत की तरफ से कड़ी नाराजगी जताने की अपील की है। अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री को संबोधित एक वीडियो संदेश एक्स पर साझा कर कहा कि आज आप फ्रांस में ट्रंप से मिल रहे हैं।

कृपया आज हिम्मत दिखाएं और तीन भारतीयों की हत्या पर भारत का सख्त विरोध और गुस्सा उन तक पहुंचाएं। ट्रंप के सामने डटकर खड़े होने की हिम्मत दिखाएं। तीन भारतीयों की हत्या पर आपने एक भी ट्वीट नहीं किया और ना ही दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की, क्यों? अब भारत को कमजोर नहीं, बल्कि एक मजबूत प्रधानमंत्री की जरूरत है।

अरविंद केजरीवाल ने वीडियो संदेश में कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी जी की फ्रांस में ट्रंप के साथ वन-टू-वन मीटिंग है। आज आप ट्रंप को साफ-साफ शब्दों में बोल दीजिए। ट्रंप ने मिसाइल दागकर हमारे तीन भारतीयों की निर्मम हत्या कर दी है। उनको साफ-साफ 140 करोड़ भारत के लोगों का संदेश दे दीजिए कि भारत के लोग बहुत नाराज हैं। भारत एक महान और शक्तिशाली देश है। भारत इसे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा।

अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री मोदी से आगे कहा कि ट्रंप ने तीन भारतीयों को मौत के घाट उतार दिया और आपने एक ट्वीट तक नहीं किया। आपने एक संदेश तक नहीं दिया। आपने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना तक नहीं की। हमें एक शक्तिशाली और बहादुर प्रधानमंत्री की जरूरत है। हमें कमजोर या चुप रहने वाला प्रधानमंत्री नहीं चाहिए। आज आपको भारत के लोगों का गुस्सा और उनका दुख ट्रंप को बताना पड़ेगा। साफ-साफ शब्दों में ट्रंप को चेतावनी दे दीजिए कि ट्रंप और अमेरिका को भारत के लोगों से माफी मांगनी पड़ेगी।

आत्महत्या की घटनाएं रोकने के लिए एलडीए पुलों पर लगाएगा सुरक्षा जाली और कैमरे

लखनऊ। शहर के दो प्रमुख पुलों पर आत्महत्या की घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाएगी। पुलिस उपायुक्त पूर्वी ने एलडीए को पत्र लिखकर पुलों पर आत्महत्या रोधी सुरक्षा बाड़ लगाने का सुझाव दिया है। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने जाली लगाने के निर्देश जारी किए हैं। पुलिस की ओर से लिखे गए पत्र में कहा गया है कि गोमतीनगर इलाके में सामाजिक परिवर्तन प्रतीक स्थल से 1090 चौराहा और समतामूलक से 1090 चौराहे को जोड़ने वाले पुलों पर ऐसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

कहां से लगी सपा में टूट की आग? 19 बार सुलगी चिंगारी, पूर्व सीएम अखिलेश यादव का 'कुनबा' बिखरने वाला है?

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र में शिवसेना (UBT) की दूसरी बड़ी टूट ने विपक्षी दलों के अंदरखाने की हलचल तेज कर दी है। अब उत्तर प्रदेश की सबसे पुरानी और संगठित विपक्षी ताकत समाजवादी पार्टी में फूट की सुगबुगाहट जोर पकड़ रही है। यूपी के डिप्टी मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने साफ कहा है कि सपा के 25-26 सांसद टूटने को तैयार बैठे हैं और पार्टी का हाल ळटउ से भी बदतर हो सकता है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष और मंत्री ओम प्रकाश राजभर तो लगातार 25 मई से 17 जून तक, यानी करीब 19 बार, अखिलेश यादव और सपा पर हमलावर रहे।

अखिलेश यादव ने इन सारे दावों को इखढ की 'मानसिकता' बताकर खारिज कर दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सपा एकजुट है और 2027 के चुनाव में मजबूती से लड़ेगी। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ इखढ की मनोवैज्ञानिक लड़ाई है या सपा के अंदर वाकई कोई गहरी दरार पैदा हो गई है? यूपी की सियासत में यह बहस 2027 से पहले का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय बनती जा रही है।

ओम प्रकाश राजभर ने इस पूरे माह में अखिलेश यादव को निशाने पर रखा। उनके ट्वीट्स में व्यक्तिगत हमले, जातीय समीकरण, पुराने घोटालों का जिक्र और ढऊअ फॉर्मूले की कड़ी आलोचना शामिल रही। 17 जून को राजभर ने 5 बार पोस्ट किया। एक में उन्होंने अखिलेश को 'लंका में आग लगने' की चेतावनी दी और सांसदों-विधायकों की बैठक बुलाकर शपथ कराने का सुझाव दिया। दूसरे में खनन घोटाले और गोमती रिवर फ्रंट का जिक्र कर राम गोपाल यादव पर सवाल उठाए। तीसरे में प्रयागराज हत्याकांड को यादव-मुस्लिम अपराध से जोड़ा। यह निरंतर हमला महज व्यक्तिगत रंजिश नहीं लगता। राजभर 2022 में सपा से गठबंधन तोड़कर इखढ के साथ आए थे। अब वे सपा के डइउ और दलित वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

25 मई 2026, मुद्दाः ढऊअ बनाम गैर-यादव पिछड़ा राजनीति

राजभर ने कहा कि उन्होंने सुभासपा केवल 'ट्विटर, एसी और पीसी' करने के लिए नहीं बनाई। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा में 'पहिला दावा अहिर' की राजनीति चलती है और गैर-यादव पिछड़ों को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया जाता है। मुख्य आरोपः आजमगढ़ में स्थानीय यादव को भी मौका नहीं मिलता। बदायूं और कन्नौज में परिवारवाद हावी। रुक्मिणी निषाद जैसी नेता को आगे नहीं बढ़ाया गया। सपा में सत्ता सिर्फ 'सैफई परिवार' तक सीमित।

नवसर्जन संस्कृति हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

बदायूं में ट्रैक्टर और ई रिक्शा की टक्कर, 6 की मौत; प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जताया दुख

उत्तर प्रदेश के बदायूं में हुए भीषण हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग घायल हो गए। हादसा ट्रैक्टर और ई-रिक्शा के बीच हुई टक्कर के कारण हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर दुःख व्यक्त किया है।

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश के बदायूं में हुए भीषण हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग घायल हो गए। हादसा ट्रैक्टर और ई-रिक्शा के बीच हुई टक्कर के कारण हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर दुःख व्यक्त किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर दुःख व्यक्त किया और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। पीएमओ के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के अकाउंट से प्रधानमंत्री की तरफ से लिखा गया कि उत्तर प्रदेश के बदायूं में हुए हादसे में लोगों की जान जाना बेहद दुखद है। मैं पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस घटना पर दुःख व्यक्त किया और अधिकारियों को इलाज की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। सीएम योगी ने 'एक्स' पर लिखा कि जनपद बदायूं में दुर्भाग्यपूर्ण सड़क हादसे में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं।

उन्होंने आगे लिखा कि जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित उपचार के लिए निर्देश दिए गए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति, शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहने की शक्ति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

घटना को लेकर जिलाधिकारी ने बताया कि मामला उझानी थाना क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। ई-रिक्शा और ट्रैक्टर के बीच हुई टक्कर में 6 लोगों की मौत हो गई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद तमाम अधिकारी मौके पर और अस्पताल पहुंचे।

जिलाधिकारी के अनुसार, ई-रिक्शा सवार पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। सड़क पर एक ट्रैक्टर के साथ ई-रिक्शा की टक्कर हुई, जिसमें 6 लोगों की मौत हुई है। 3 लोगों का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है, जिसमें से 2 की हालत गंभीर बताई गई है। जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि जरूरत पड़ने पर घायलों को बेहतर इलाज के लिए कहीं और शिफ्ट भी किया जा सकता है।

बताया जा रहा है कि घटना में शामिल ट्रैक्टर रेस कर रहा था, जिसके कारण यह हादसा हुआ है। हालांकि, जिलाधिकारी का कहना है कि अभी इस मामले की जांच चल रही है, जिसके बाद कुछ स्पष्ट कहा जा सकता है। उन्होंने पुष्टि की कि दो ट्रैक्टर को कब्जे में लिया गया है।

यूपीः योगी सरकार का 'जहर मुक्त भोजन' महाभियान, गोशालाओं से सीधे घर पहुंचेगा ऑर्गेनिक खाना

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में 'जहर मुक्त भोजन' का मेगा कैंपेन शुरू किया जाएगा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग ने इसकी विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है, जिसके तहत अब लोगों की थाली तक सीधे खेतों से निकला शुद्ध और जहरमुक्त भोजन पहुंचाया जाएगा. इस पूरे महाभियान का केंद्रबिंदु उत्तर प्रदेश की गोशालाएं होंगी, जिन्हें अब सिर्फ गोसंरक्षण ही नहीं, बल्कि शुद्ध खाद्य पदार्थों के बड़े सप्लाई सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा.

पहले चरण में चयनित गोशालाओं के 5 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले परिवारों को इस महा अभियान से जोड़ा जाएगा. इन परिवारों तक प्राकृतिक खेती से उपजे खाद्यान्न, ताजी सब्जियां, फल और पंचगव्य आधारित उत्पाद सीधे पहुंचाए जाएंगे. गो सेवा आयोग ने इसके लिए 'फार्म टू कंज्यूमर' (खेत से सीधे उपभोक्ता तक) मॉडल तैयार किया है. इससे उपभोक्ताओं को सही कीमत पर और किसानों को उनकी उपज का और बेहतर मूल्य मिल सकेगा.

उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का लक्ष्य हर नागरिक को बीमारियों से बचाना और उन्हें 'जहर मुक्त भोजन' उपलब्ध कराना है. सबसे पहले चयनित गोशालाओं के आसपास के परिवारों से इसकी शुरूआत होगी. यह मॉडल गोशालाओं को ग्रामीण समृद्धि और सेहत का नया केंद्र बनाएगा.

'जहर मुक्त भोजन' मिशन की विशेषताएं

जैविक खाद्यः गोशालाओं के सहयोग से तैयार होने वाली 100% जैविक सब्जियां, फल और अनाज सीधे घरों तक पहुंचेंगे.

पहला टारगेट रेडियसः शुरूआती फेज में गोशाला के 5 किलोमीटर के दायरे में आने वाले क्षेत्रों को कवर किया जाएगा.

मल्टी-प्रोडक्ट बास्केटः अनाज-सब्जियों के अलावा औषधीय उत्पाद, पंचगव्य घी, और शुद्ध दूध भी इस चेन का हिस्सा होंगे.

स्थायी बाजारः केमिकल-फ्री उत्पाद तैयार करने वाले स्थानीय किसानों को अब अपनी फसल बेचने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा, गोशालाएं ही उनका बाजार बनेंगी.

ग्रामीण स्तर पर पैदा होंगे बंपर रोजगार

गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि 'जहर मुक्त भोजन' के इस पूरे चक्र को चलाने के लिए बड़े पैमाने पर स्थानीय युवाओं को प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग से जोड़ा जाएगा, जिससे ग्रामीण स्तर पर बंपर रोजगार पैदा होंगे. प्रदेश में यह प्रयोग देश के सामने 'सेहत और समृद्धि' का एक अनूठा उदाहरण बनने जा रहा है.

दुष्कर्म के आरोपी कथावाचक पवन देव महाराज पर शिकंजा कसा, 15 हजार का इनाम घोषित किया

कथावाचक पवन देव महाराज ने महिला को राम मंदिर दर्शन के बहाने अयोध्या बुलाया और नाका हनुमानगढ़ी स्थित एक मंदिर में कथित रूप से फर्जी विवाह रचाया। इसके बाद विवाह का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए गए।

(जीएनएस)।

बीकापुर , बीकापुर कोतवाली पुलिस ने गंभीर आपराधिक मामले में वांछित चल रहे कथावाचक पवन देव महाराज की गिरफ्तारी के लिए शिकंजा और कस दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अयोध्या ने फरार आरोपी पर 15 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया है।

पुलिस के अनुसार, बिहार के सीवान जनपद निवासी एक महिला ने कोतवाली बीकापुर क्षेत्र के मलेथू कनक गांव निवासी कथावाचक पवन देव महाराज पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने तथा लाखों रुपये के जेवरात हड़पने का आरोप लगाया है।

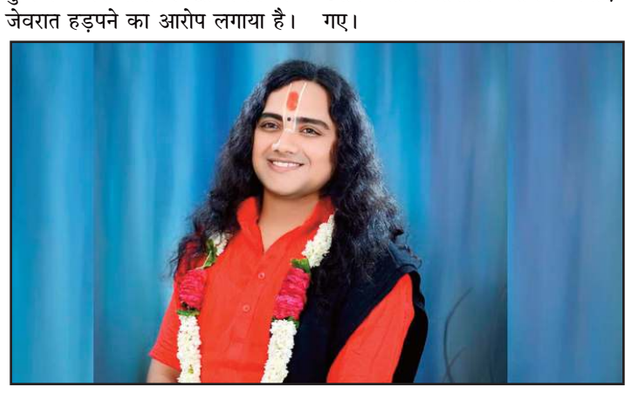

पीड़िता का कहना है कि बिहार में कथा वाचन के दौरान उसकी कथावाचक से पहचान हुई थी। बाद में आरोपी ने उसे राम मंदिर दर्शन के बहाने अयोध्या बुलाया और नाका हनुमानगढ़ी स्थित एक मंदिर में कथित रूप से फर्जी विवाह रचाया। इसके बाद विवाह का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए गए।

महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसके लाखों रुपये मूल्य के जेवरात भी अपने कब्जे में ले लिए और बाद में अपने चालक के माध्यम से उसे उसके मायके भिजवा दिया। विरोध करने पर कथावाचक और उसके पिता रमाकांत शास्त्री द्वारा मारपीट और धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है।

पीड़िता की तहरीर पर कोतवाली बीकापुर में पवन देव महाराज एवं उनके पिता रमाकांत शास्त्री के विरुद्ध दर्ज रिपोर्ट दर्ज किया गया है। महिला का मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराया जा चुका है व मेडिकल परीक्षण की कार्रवाई भी पूरी हो चुकी है।

मामला दर्ज होने के बाद से दोनों आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। मलेथू कनक स्थित उनके आवास पर ताला लगा हुआ है। पुलिस लगातार दबिश दे रही है, लेकिन अब तक उनकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र पांडेय ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने और आमजन से सहयोग प्राप्त करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की ओर से 15 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया है।

खान झूठा-गद्दार, मैं रौशन के साथ', कौन हैं दारोगा गुरु?

(जीएनएस)।

कोचिंग फायरिंग केस की वजह से इन दिनों मशहूर टीचर खान सर विवादों में है तो वहीं 'ज्ञान बिंदु' कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने पटना प्रशासन से लेकर छात्र समुदाय तक में हड़कंप पैदा कर दिया है।

जहां एक ओर खान सर ने प्रिंस की मौत पर अफसोस जताया है, वहीं दूसरी ओर बेल मिलने के बाद जेल से बाहर आए रौशन आनंद ने खुले तौर पर खान सर को ही अपने भाई की मौत का जिम्मेदार ठहराया है।

पीटीआई से बात करते हुए गुरु रहमान ने कहा कि 'खान सर और रोशन आनंद के बीच हुई लड़ाई में रोशन ने अपने भाई को खो दिया, यह दिल दहला देने वाली घटना है, मैं रोशन के साथ हूं। मैं 2018 से यह लड़ाई देख रहा हूं, वे ज्यादा से ज्यादा रिजल्ट लाने के लिए लड़ रहे थे, उनके रिश्ते खराब थे। खान बहुत झूठ बोलता है। मेरा कहना है कि आरोपी को कड़ी सजा मिलनी चाहिए।'

हालांकि इसके बाद उन्होंने 'बिहार तक' से बात करते हुए दोनों टीचरों को कसकर फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि 'जेल से बाहर आते ही रौशन ने 'जय सनातन' के नारे लगाए और उधर खान सर 'मुस्लिम कार्ड' खेल रहे हैं, क्या रौशन आनंद सनातन का मतलब समझते हैं? क्या खान सर इस्लाम का अर्थ जानते हैं? झूठ बोलना और फ्रॉड करना किसी धर्म में नहीं है। अगर टीचर ही समाज को धर्म के नाम पर बांटने का काम करने लगे तो मेरी नजर में वो टीचर नहीं 'गद्दार' है।'

रहमान सर का ये बयान सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया है। कुछ लोग उनके साथ नजर आ रहे हैं तो कुछ लोग उन्हें ही कोस रहे हैं। मालूम हो कि पटना समेत पूरे बिहार में गुरु रहमान को लोग 'दारोगा गुरु' कहकर बुलाते हैं।

साल 1994 से वो गरीब बच्चों, दिव्यांग, ट्रांसजेंडर को पढ़ा रहे हैं। अब तक उनके पढ़ाए हुए 7856 छात्र-छात्राएं दारोगा बन चुके हैं इसलिए वो 'दारोगा गुरु' के नाम से विख्यात हैं, हालांकि वो केवल दारोगा के एग्जाम की तैयारी नहीं करवाते बल्कि सिविल सर्विसेज और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी स्टूडेंट को कोचिंग देते हैं।

सबसे खास बात ये है कि गुरु रहमान आज भी 11 रुपये की गुरु दक्षिणा के साथ छात्रों को शिक्षित करने का काम कर रहे हैं। साल 2007 में पटना में आयोजित वर्ल्ड समिट के कार्यक्रम में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने ही उन्हें 'गुरु' की उपाधि से नवाजा था और तब से ही रहमान सर 'गुरु रहमान' बन गए। संस्थान का नाम अदम्य अदिति गुरुकुल है , आर्थिक तौर पर कमजोर बच्चों के लिए मसीहा बने रहमान सर ने अपनी बेटी के नाम पर इस संस्थान का नाम पर अदम्य अदिति गुरुकुल रखा है। रहमान सर पुलिस इंस्पेक्टर के बेटे हैं और आईएएस बनना चाहते थे और इसके लिए उन्होंने काफी प्रयास भी किया लेकिन सफल नहीं हो पाए और इसके बाद उन्होंने शिक्षक बनने का फैसला किया। आईएएस की तैयारी के दौरान ही साल 1997 में दिल्ली में उनकी मुलाकात अमिता कुमारी नाम की लड़की से हुई, जिन पर वो पहली नजर में ही दिल हार बैठे थे।

93 किमी. की जगह अब 170 किमी, 12 नए रूट प्रस्तावित... लखनऊ मेट्रो का होगा बड़ा विस्तार; चारबाग से पीजीआई हटा

अगले 15 साल की जरूरतों के लिए 3500 करोड़ का खर्च।

(जीएनएस)।

लखनऊ। ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के बाद लखनऊ का मेट्रो का विस्तार 170 किलोमीटर और होगा। लखनऊ मेट्रो ने कुल 12 नए रूट के लिए सर्वे किया है। इस सर्वे में पिछले प्रस्तावित रूट में आंशिक बदलाव किया गया है। विजन 2047 के तहत यूपीएमआरसी ने पहले आठ नए रूटों पर मेट्रो सेवाएं दौड़ाने का प्रस्ताव शासन को भेजा था।

नए प्रस्ताव में इनकी संख्या बढ़कर 12 हो गई है। चारबाग से कैंट होकर एसजीपीजीआई के रूट को नए प्रस्ताव से हटा दिया गया है।

15 साल की जरूरत का सर्वे कर शासन को यूपीएमआरसी ने सौंपी रिपोर्ट

यूपीएमआरसी ने ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर को छोड़कर पहले जिन आठ रूटों को प्रस्तावित किया था, उसका दायरा 93.76 किलोमीटर था। वहीं, नए प्रस्ताव में मेट्रो का विस्तार 170.37 किलोमीटर तक प्रस्तावित है। इसमें 149.87 किलोमीटर एलिवेटेड और 20.5 किलोमीटर भूमिगत कारिडोर प्रस्तावित है। वसंतकुंज से कल्ली पश्चिम कारिडोर सबसे लंबा 34 किलोमीटर का होगा।

मेट्रो में यात्रियों की संख्या प्रतिदिन 80 हजार से बढ़कर 87 हजार तक हो गई

ईरान-इजरायल व अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के कारण भारत सहित दुनिया भर में तेल को लेकर गहराए वैश्विक संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों देशवासियों से सार्वजनिक यातायात के साधन के अधिक उपयोग की अपील की थी। उनकी अपील का असर हुआ कि एयरपोर्ट से मुंशीपुलिया तक दौड़ रही मेट्रो में यात्रियों की संख्या प्रतिदिन 80 हजार से बढ़कर 87 हजार तक हो गई।

सर्वे के तहत अगले 15 साल में 170 किलोमीटर और नए रूट पर मेट्रो की आवश्यकता

वहीं, मुख्यमंत्री के आदेश के बाद मुख्य सचिव ने एक बैठक कर मौजूदा मेट्रो कॉरिडोर पर फीडर सर्विस उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उनके आदेश पर ही उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) ने नए सिरे में मेट्रो सर्विस की डिमांड का सर्वे कराया है। सर्वे के तहत अगले 15 साल में 170 किलोमीटर और नए रूट पर मेट्रो की आवश्यकता होगी। इसपर करीब 3500 करोड़ रुपये खर्च आएगा।

सर्वे बाद दिया इन प्रस्तावित रूटों का प्रस्तावः कॉरिडोर -कुल लंबाई-एलिवेटेड-भूमिगत

राजाजीपुरम से आईआईएम-18 किमी.-5.65 किमी.-12.35 किमी.

एयरपोर्ट से कल्ली पश्चिम -15.5 किमी.-8.5किमी.-7 किमी.

इंदिरानगर से अनौराकला-9.66 किमी. -9.66 किमी. - 0

इंदिरानगर से सीजी सिटी-11.5 किमी. -11.5 किमी. - 0

सीजी सिटी से एसजीपीजीआई - 9.8 किमी. -9.8 किमी. - 0

राजाजीपुरम से मूसाबाग - 5.98 किमी. -4.83 किमी. - 1.15 किमी.

वसंतकुंज से आईआईएम -12 किमी. - 12 किमी. - 0

मुंशीपुलिया से जानकीपुरम -6.5 किमी. - 6.5 किमी. - 0

अनौराकला से बाराबंकी- 14.43 किमी. - 14.43 किमी. - 0

कल्ली पश्चिम से मोहनलालगंज-7.2 किमी. - 7.2 किमी. - 0

वसंतकुंज से कल्ली पश्चिम - 34.8किमी. - 34.8किमी. - 0

अनौरा कला से कल्ली पश्चिम - 25.0 किमी.- 25.0 किमी. - 0

पूर्व में यह रूट था प्रस्तावित

इंदिरानगर से अनौराकला -9.27 किमी.

अनौराकला से बाराबंकी -14 किमी.

इंदिरानगर से सीजी सिटी -7.7 किमी.

चारबाग से कल्ली पश्चिम -13 किमी.

राजाजीपुरम से आईआईएम - 18.42 किमी.

मुंशीपुलिया से जानकीपुरम - 6.29 किमी.

सीजी सिटी से एयरपोर्ट -19.08 किमी.

कल्ली पश्चिम से मोहनलालगंज - 6 किमी.

सर्वे में रूट की लंबाई कम रखी गई है। इससे यह प्रोजेक्ट जल्दी पूरे होंगे। साथ ही इनको चरणबद्ध तरीके से पूरा करना आसान होगा। यूपीएमआरसी के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक अब प्रदेश सरकार से स्वीकृति मिलने के बाद आगे डीपीआर बनाने जैसी कार्यवाही शुरू होगी।

वर्ल्ड सस्टेनेबल गैस्ट्रोनॉमी डे पर लखनऊ की समृद्ध खानपान परंपरा से रूबरू कराएगा पर्यटन विभाग, विशेष फूड हेरिटेज वॉक का होगा आयोजन

वर्ल्ड सस्टेनेबल गैस्ट्रोनॉमी डे पर लखनऊ की समृद्ध खानपान परंपरा से रूबरू कराएगा पर्यटन विभाग, आयोजित होगी विशेष फूड हेरिटेज वॉक

(जीएनएस)।

लखनऊः नवाबों का शहर लखनऊ अपनी समृद्ध खानपान परंपरा और अनूठे स्वाद के दम पर दुनिया में अलग पहचान बना रहा है. यूनेस्को के क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी का दर्जा मिलने के बाद यह पहचान और मजबूत हुई है. इसी विरासत का उत्सव मनाने के लिए यूपी पर्यटन विभाग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'विजिट माई स्टेट उत्तर प्रदेश अभियान के तहत 18 जून को वर्ल्ड सस्टेनेबल गैस्ट्रोनॉमी डे के अवसर पर विशेष फूड हेरिटेज वॉक आयोजित करेगा.

खानपान और विरासत से रूबरू होंगे पर्यटकः यह विशेष हेरिटेज वॉक प्रतिभागियों को चौक की ऐतिहासिक गलियों से होकर ले जाएगी. इसकी

शुरूआत राजा की ठंडाई से होगी और यह गोल दरवाजा, सेवक राम मिष्ठान भंडार, अकबरी गेट समेत अन्य प्रमुख स्थलों से गुजरते हुए फिर गोल दरवाजा पर समाप्त होगी.

इस दौरान प्रतिभागियों को लखनऊ की विरासत और पारंपरिक अवधी व्यंजनों का अनुभव कराया जाएगा. अनुभवी टूर गाइड पूरी यात्रा के दौरान उनका मार्गदर्शन करेंगे. इसमें हिस्सा लेने के लिए प्रति व्यक्ति 300 रुपये शुल्क तय किया गया है.

चौक फूड हेरिटेज वॉक के माध्यम से खाद्य प्रेमियों, पर्यटकों, विद्यार्थियों और विरासत में रुचि रखने वाले लोगों को लखनऊ की पाक विरासत और सस्टेनेबल गैस्ट्रोनॉमी परंपराओं को करीब से जानने का अनूठा अवसर मिलेगा. इच्छुक प्रतिभागी यूपीएसटीडीसी के मोबाइल नंबर 91490 99890 पर संपर्क कर जिस्ट्रेशन करा सकते हैं.

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार पर्यटकों को प्रदेश की समृद्ध खानपान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है. लखनऊ को यूनेस्को क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी के रूप में मिली पहचान यहां की समृद्ध खानपान परंपरा और पारंपरिक व्यंजनों को संजोने की उसकी खास पहचान को दशार्ती है.

फूड हेरिटेज वॉक जैसी पहल के जरिए हमारा उद्देश्य स्थानीय व्यंजनों को बढ़ावा देना, पारंपरिक खाद्य समुदायों को प्रोत्साहित करना और सस्टेनेबल गैस्ट्रोनॉमी को उत्तर प्रदेश की पर्यटन पहचान का अहम हिस्सा बनाना है.

पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात ने बताया कि किसी भी पर्यटन स्थल की असली पहचान वहां की संस्कृति और खानपान से होती है. 'विजिट माई स्टेट उत्तर प्रदेश' अभियान के जरिए हम ऐसे पर्यटन अनुभव तैयार कर रहे हैं, जो पर्यटकों को प्रदेश की विरासत, स्थानीय परंपराओं और लोगों से जोड़ें. हमारा प्रयास जिम्मेदार और सस्टेनेबल पर्यटन को बढ़ावा देना है.

रेलवे स्टेशन, बस अड्डे और घरों में नजरबंद करके सीजेपी के प्रदर्शन में लखनऊ जाने से रोके गए छात्र

(जीएनएस)।

चंद दिनों में सोशल मीडिया से उभरी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) दिल्ली के बाद अब देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शन कर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही है. इसी कड़ी में सीजेपी के प्रमुख अभिजीत दीप्के 12 जून को लखनऊ पहुंचे थे. जहां लखनऊ समेत देश के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों ने उन्हें समर्थन दिया.

हालांकि, उत्तर प्रदेश के कई छात्र ऐसे भी थे जो इस प्रदर्शन में शामिल नहीं हो सके. उनका आरोप है कि पुलिस ने उन्हें प्रदर्शन स्थल तक पहुंचने से पहले ही या तो हिरासत में ले लिया या फिर स्टेशन और बसों से उतारकर वापस भेज दिया. प्रयागराज के कुछ छात्र भी इस प्रदर्शन में शामिल होना चाहते थे, लेकिन उन्हें पहले ही रोक लिया गया.

22 वर्षीय प्रेमचंद चौधरी महादेव प्रसाद डिग्री कॉलेज (सीएमपी) से बीए की पढ़ाई कर रहे हैं. वह बताते हैं, 'मैं अपने दोस्तों हर्ष और इंद्रेश के साथ सीपीजे के प्रदर्शन में शामिल होने के लिए लखनऊ जा रहा था. हमें प्रयाग स्टेशन से सवेरे 5 बजकर 55 मिनट पर चलने वाली गंगा गोमती एक्सप्रेस से जाना था. जैसे ही हम स्टेशन पहुंचे तो वहां नजारा कुछ अलग ही था. भारी तादाद में पुलिस मौजूद थी. वह मेरे जैसे तमाम युवाओं से पूछताछ कर रही थी. क्यों जा रहे हो?, कहां जा रहे हो? किसलिए जा रहे हो? जैसे सवाल पूछे जा रहे थे. किसी पर जरा भी शक होने पर उसे वापस लौटा दिया जा रहा था. हमें भी रोकने की कोशिश हुई. हालांकि, हम दूसरे रास्ते से स्टेशन के अंदर पहुंच गए थे. वहां भी काफी पुलिस थी, जो बोगियों से छात्रों को उतार रही थी. हम किसी तरह छिपते-छिपाते ट्रेन में चढ़ गए, लेकिन फिर आगे मुझे रायबरेली स्टेशन पर उतार लिया गया. यहां स्टेशन पर ही घंटों बैठाकर रखा गया. बाद में वापस आने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा क्योंकि आगे जाने के लिए कोई ट्रेन नहीं थी. पुलिस ने उस दिन मेरे जैसे सैंकड़ों छात्रों को रोका.'

प्रेमचंद बताते हैं कि इस दौरान पुलिस उन्हें कह रही थी कि पढ़ाई पर ध्यान दो, इस सबके चक्कर में मत पड़ो. वह पुलिस के इस रवैये पर सवाल उठाते हैं और कहते हैं, "हम पढ़ लिखकर अब परीक्षा की तैयारी करेंगे, आगे अगर हमारे साथ भी ऐसे ही होगा. तो हमारा साथ कौन देगा. इसलिए मुझे लगता है कि छात्रों का मुद्दा है और लगातार पेपर लीक हो रहे हैं तो मुझे शामिल होना चाहिए. "

23 वर्षीय चंद्र प्रकाश ने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से स्नातक की है. वह कहते हैं, "12 जून को लखनऊ में सीपीजे का प्रदर्शन था लेकिन मुझे 11 जून से ही कर्लगंज थाने और लोकल इंटेलिजेंस यूनिट (एलआईयू) के कॉल आने शुरू हो गए. वो मुझसे 12 जून की योजना पूछ रहे थे, साथ ही थाने बुला रहे थे. हालांकि, मैं ऐसा अकेला नहीं था. यहां पर तमाम छात्रों को इस तरह के कॉल किए गए और उनके घरों पर जाकर उनसे पूछताछ की गई. इसकी वजह यह भी है कि मैं पहले से ही यहां छात्रों के मुद्दे उठाता रहा हूं और विभिन्न प्रदर्शनों में शामिल होता रहा हूं. साथ ही छात्र संगठन दिशा से भी जुड़ा हूं."

चंद्र प्रकाश बताते हैं, 'वह मुझपर लगातार दबाव बना रहे थे और कह रहे थे कि मैं लखनऊ न जाऊं. मेरे कमरे के बाहर पुलिस घूम रही थी. हालांकि, मेरी खुद की वहां जाने की कोई योजना नहीं थी.'

प्रयागराज के ही एक अन्य छात्र संजय कहते हैं कि हम छोटा बघाड़ा में रहते हैं. यह शहर के सबसे प्रमुख और घने इलाकों में से एक है, जो मुख्य रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए जाना जाता है. यह क्षेत्र संगम के काफी नजदीक और यूनिवर्सिटी क्षेत्र के अंतर्गत आता है. यहां छात्र रात को चाय टपरी पर जुटते हैं. हमने देखा कि एक दिन पहले ही रात को यहां पुलिस की चहलकदमी थी. छात्रों पर निगरानी रखी जा रही थी कि कहीं वे रात वाली किसी ट्रेन से ही लखनऊ न पहुंच जाएं.

वह बताते हैं, "ज्यादातर छात्रों की योजना गंगा गोमती एक्सप्रेस ट्रेन से जाने की थी. यह सवेरे प्रयागराज संगम पर आती है और प्रयाग से 5 बजकर 55 मिनट पर छूटती है. हम भी करीब 10-15 मिनट पहले ही लखनऊ जाने के लिए स्टेशन पर पहुंच गए थे, हमने वहां देखा कि काफी तादाद में पुलिस की मौजूदगी थी. वह छात्रों से पूछताछ कर रही थी. उनका आधार कार्ड और अन्य आईडी चेक की जा रही थीं. किसी पर जरा भी शक होता तो उसे जाने नहीं दिया जा रहा था. मुझे भी वहां से भगा दिया गया. हमारे कई साथी बस से जा रहे थे तो उनकी बस को रास्ते में ही रोककर बीच में उतार दिया गया."

दिल्ली के कनॉट प्लेस में संजय.

21 वर्षीय संजय इलाहाबाद विश्वविद्यालय में स्नातक तृतीय वर्ष के छात्र हैं और साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं. वह बताते हैं कि उनका 10-12 दोस्तों का ग्रुप था, जो लखनऊ जा रहे थे लेकिन किसी को भी नहीं जाने दिया.

वह कहते हैं, 'लगातार पेपर लीक हो रहे हैं. ऐसे में छात्रों-मजदूरों के पास क्या ही विकल्प बचा है. मीडिया और जनप्रतिनिधियों का काम है कि वो इन मुद्दों को उठाएं, लेकिन ऐसा तो हो नहीं रहा है. ऐसे में हम भी घर बैठ जाएं तो फिर कैसे होगा?'

इस पूरे मामले को लेकर हमने कर्नलगंज थाने के एसएचओ प्रदीप कुमार सिंह से संपर्क किया. वह 'कोई जानकारी नहीं है' कहकर फोन काट देते हैं.

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

फीफा : ब्राजील न सिर्फ मैच जीतता है, बल्कि करोड़ों दर्शकों के दिल जीतता आया है

'ओ ब्राजील, ओ ब्राजील' का नारा सिर्प समर्थन नहीं, बल्कि सम्मान का प्रतीक है। 2026 विश्व कप में फिर से सेलेकाओ का जादू देखने का इंतजार है। ब्राजील पुटबॉल की आत्मा है और यही वजह है कि वह हर विश्व कप की सबसे पसंदीदा टीम बनी रहती है। ब्राजील के बिना फीफा विश्व कप की कल्पना करना भी नामुमकिन है। जब ब्राजील की टीम मैदान पर उतरती है,तो माहौल जादुई हो जाता है। पीली जसा में सजे खिलाड़ी जैसे पुटबॉल का जादू बिखेर देते हैं। पूरा स्टेडियम नाच उठता है,संगीत गूंजने लगता है। ब्राजील न सिर्प मैच जीतता है, बल्कि करोड़ों दर्शकों के दिल जीत लेता है। यही वजह है कि हर विश्व कप में ब्राजील सबसे बड़ा पेवरेट माना जाता है। ब्राजील की टीम ने चालू विश्व कप के पहले मैच में मोरोक्को के खिलाफ कोई चमकदार प्रदर्शन नहीं किया,पर उसका जलवा बरकरार है। ब्राजील फीफा विश्व कप का सबसे सफल और लोकप्रिय देश है। वे एकमात्र टीम हैं जिसने हर विश्व कप में हिस्सा लिया है और रिकॉर्ड पांच बार खिताब जीता है। 1958, 1962, 1970, 1994 और 2002 में। कोई भी टीम इतनी निरंतरता और सफलता नहीं दिखा पाई है। शुरू से ही ब्राजील ने यूरोपीय दबदबे को चुनौती दी और पुटबॉल को नया आयाम दिया। 1958 का स्वीडन विश्व कप ब्राजील के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। सिर्प 17 साल के पेले ने अपनी चमक से दुनिया को चौंका दिया और ब्राजील पहली बार चैंपियन बना। 1962 के चिली विश्व कप में पेले चोटिल हो गए, लेकिन गरिचा के नेतृत्व में टीम ने दूसरा खिताब जीत लिया। गरिचा इतिहास के सबसे महान ड्रिब्लर्स में से एक थे। उनकी विवृत टांगों के बावजूद गेंद के साथ उनका जादू आज भी याद किया जाता है। 1970 का मेक्सिको विश्व कप ब्राजील के कलात्मक पुटबॉल का स्वर्णिम अध्याय था। पेले, जैसिन्हो, टोस्टाओ, रिवेलिनो और कालरेस अल्बटरे जैसी दिग्गजों से सजी टीम को आज भी विश्व कप इतिहास की सर्वश्रेष्ठ टीम माना जाता है। फाइनल में इटली को 4- 1 से हराकर तीसरा खिताब जीतने के साथ ब्राजील ने जूल्स रीमेट ट्रॉफी को स्थायी रूप से अपने नाम कर लिया। तीन बार जीतने वाली टीम को ट्रॉफी हमेशा के लिए मिल जाती थी, इसलिए नई ट्रॉफी शुरू की गई। 1982 की स्पेन विश्व कप टीम हालांकि खिताब नहीं जीत सकी, लेकिन कई विशेषज्ञों के लिए कलात्मकता के मामले में सबसे बेहतरीन रही। टेले सांताना की कोचिग में ज़को, सोक्रेट्स, फाल्काओ, एडर और जूनियर वाली टीम ने पुटबॉल का नया मापदंड पेश किया। वे जीतने से ज्यादा खेल का आनंद लेते थे। ग्रुप स्टेज में न्यूजीलैंड को 4-0, स्कॉटलैंड को 4-1 और सोवियत संघ को 2-1 से हराने वाली यह टीम क्वार्टर फाइनल में इटली से 3-2से हार गई, लेकिन 'सबसे बेहतरीन टीम जो कभी विश्व कप नहीं जीती' के रूप में अमर हो गई। पेप गरडिओला जैसे महान कोच ने इसे "सबसे अद्भुत राष्ट्रीय टीम" करार दिया। ज़िको की ब्रिएटिविटी, सोक्रेट्स की विजन और कप्तानी, फाल्काओ की मिडफील्ड मास्टरी और एडर के खतरनाक शॉट्स आज भी पुटबॉल प्रेमियों को प्रेरित करते हैं। यह टीम साबित करती है कि पुटबॉल में नतीजे से ज्यादा स्टाइल, जुनून और सुंदरता मायने रखती है। ब्राजील की पुटबॉल सिर्प जीत का खेल नहीं, बल्कि कला का प्रदर्शन है। उनकी पासिंग लाजवाब, ड्रिब्लिग मंत्रमुग्ध करने वाली और ऑफ-बॉल मूवमेंट संगीतमय होता है। ब्राजील के समुद्र तटों, पुटबॉल मैदानों और गलियों से निकलने वाले खिलाड़ी बचपन से गेंद के साथ नाचते-खेलते बड़े होते हैं। गरीबी की चुनौतियों के बीच पुटबॉल उनके लिए उम्मीद और सपनों का माध्यम बन जाता है। यही संस्वृति उन्हें अलग बनाती है। पेले को 'द किग' कहा जाता है। उन्होंने तीन विश्व कप जीते, 12 गोल किए और 1000 से ज्यादा गोलों का रिकॉर्ड बनाया। उनका खेल सरल लेकिन बेहद प्रभावी था। रोनाल्डो की स्पीड,पावर और फिनिशिग ने 2002 में ब्राजील को खिताब दिलाया। उन्होंने 15 विश्व कप गोल किए, जो आज भी रिकॉर्ड है। रोनाल्डिन्हो का मुस्कुराता जादू हर किसी के जेहन में है। आज नेमार, विनीसियस जूनियर, रोड्रिगो और अन्य युवा सितारे उसी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। ब्राजील का खेल हमेशा आव्रामक, खुशमिजाज और अप्रत्याशित रहता है।

'फुल किलर, शांत और सबसे कूल...', फ्रांस में ट्रंप ने पीएम मोदी की जमकर की तारीफ

(जीएनएस)।

फ्रांस में आयोजित ऋ शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात एक बार फिर वैश्विक चर्चा का विषय बन गई. दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत से पहले ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी की जिस तरह तारीफ की, उसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया.

कार्यकारी लंच के दौरान मौजूद अधिकारियों के अनुसार, ट्रंप ने मुस्कुराते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बेहद शांत, संतुलित और प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी हैं. उन्होंने मजाकिया अंदाज में खुद की तुलना मोदी से करते हुए कहा कि जहां मोदी पूरी तरह संयमित रहते हैं, वहीं वह खुद ऐसे नहीं हैं. इस टिप्पणी के बाद बैठक में मौजूद लोगों के बीच हल्की मुस्कान भी देखने को मिली.

भारतीय जहाजों पर हुए हमलों को लेकर भी बातचीत

होर्मुज के पास हुए हमले में 3 भारतीय नाविकों की मौत पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'मुझे इसके बारे में पता चला है, यह एक मुश्किल पेशा है और हम इस पर मिलकर काम करते हैं. ऐसा लंबे समय से होता आ रहा है, लेकिन हम मिलकर काम करते हैं'

16 महीने बाद आमने-सामने

आए दोनों नेता

ये मुलाकात इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप लगभग 16 महीनों बाद किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर आमने-सामने आए. ऋ सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से हाथ मिलाया और संक्षिप्त बातचीत की. इसके बाद द्विपक्षीय बैठक में व्यापार, निवेश, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई.

व्यापार समझौते पर टिकी निगाहें

भारत और अमेरिका के बीच संभावित व्यापार समझौते को लेकर भी काफी उम्मीदें हैं. दोनों देशों के अधिकारी पिछले कई महीनों से बातचीत कर रहे हैं और माना जा रहा है कि भविष्य में किसी बड़े आर्थिक समझौते की दिशा में प्रगति हो सकती है. ट्रंप ने भी बैठक के बाद कहा कि उनकी मोदी के साथ सकारात्मक चर्चा हुई और दोनों देश व्यापारिक संबंधों को आगे बढ़ाने पर काम कर रहे हैं.

वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती भूमिका

ऋ सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी एक बार फिर ये संकेत देती है कि वैश्विक मामलों में भारत की भूमिका लगातार मजबूत हो रही है. फ्रांस में आयोजित इस सम्मेलन में भारत को विशेष आमंत्रित देश के रूप में बुलाया गया था. विभिन्न वैश्विक चुनौतियों पर भारत के विचारों को गंभीरता से सुना गया और कई नेताओं ने मोदी से अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा की.

समुद्री सुरक्षा पर हुई चर्चा

इस दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा, समुद्री स्थिरता और पश्चिम एशिया की स्थिति जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा की गई. पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने के लिए ट्रंप के नेतृत्व की तारीफ की. साथ ही उन्होंने वैश्विक व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जाने वाले स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खुला और सुरक्षित बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया.

मोदी ने कहा, 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का खुला रहना वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बेहद जरूरी है. भारत हमेशा से समुद्री मार्गों में आवाजाही की स्वतंत्रता का समर्थन करता रहा है और इस मुद्दे पर हमें मिलकर काम करना चाहिए. दुनिया भर में लाखों

41,229 करोड़ रुपये से चमकेगा आपका जिला! सीएम योगी को मिले 4000 से ज्यादा प्रस्ताव, इस महीने मिलेगा अप्रूवल

उत्तर प्रदेश में विकास कार्यों को और तेज रफ्तार देने की तैयारी शुरू हो गई है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ मंडल के बीजेपी विधायकों और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ बड़ी समीक्षा बैठक की. बैठक में 41 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की 4204 विकास परियोजनाओं पर चर्चा हुई.

(जीएनएस)।

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ मंडल के बीजेपी विधायकों और लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) के अधिकारियों के साथ बड़ी बैठक की. बैठक में सड़कों, पुलों और अन्य विकास कार्यों को लेकर चर्चा हुई. सीएम योगी ने साफ कहा कि विकास कार्यों में लापरवाही या देरी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी. अगर किसी परियोजना में अनावश्यक देरी हुई तो जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी.

बैठक में बताया गया कि लखनऊ मंडल के अलग-अलग जिलों और विकासखंडों से करीब 41,229 करोड़ रुपये की लागत वाले 4,204 विकास प्रस्ताव मिले हैं. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन प्रस्तावों की जल्द समीक्षा कर कार्ययोजना शासन को भेजी जाए, ताकि काम समय पर शुरू हो सके.

सीएम योगी ने कहा कि जून महीने के अंत तक ज्यादा से ज्यादा परियोजनाओं को मंजूरी देकर उनका काम शुरू कराया जाए. उन्होंने यह भी कहा कि विधायक और अन्य जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र की जरूरतों को बेहतर जानते हैं, इसलिए उनके सुझावों को गंभीरता से लिया जाए और उनकी प्राथमिकताओं के आधार पर योजनाओं को आगे बढ़ाया जाए.

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य तय समय सीमा के भीतर और अच्छी गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं. उन्होंने कहा कि सरकार जनता की जरूरतों और जनप्रतिनिधियों के सुझावों को प्राथमिकता देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है.

सीएम योगी ने यह भी कहा कि जिन परियोजनाओं का काम शुरू होना है, उनका शिलान्यास और भूमिपूजन स्थानीय जनप्रतिनिधियों के हाथों कराया जाए. इससे लोगों को विकास कार्यों की जानकारी मिलेगी और जनता का जुड़ाव भी बढ़ेगा.

बैठक में प्रभावित लोगों के हितों पर भी चर्चा हुई. मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर किसी परियोजना के कारण किसी व्यक्ति को अपनी जमीन या मकान छोड़ना पड़ता है तो उसका उचित पुनर्वास किया जाए और नियमानुसार मुआवजा भी दिया जाए.

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर सड़कें, मजबूत पुल और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदेश के विकास की रीढ़ हैं. इसलिए हर परियोजना की नियमित निगरानी की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि जनता को उसका लाभ जल्द से जल्द मिले.

इतिहास रचने उतरेंगे क्रिस्टियानो रोनाल्डो, शुरू हो रहा पुर्तगाल का मिशन वर्ल्ड कप, भारत में कब देखें मुकाबला

(जीएनएस)।

फुटबॉल की दुनिया के सबसे महान खिलाड़ियों में शुमार क्रिस्टियानो रोनाल्डो आज रात एक नया इतिहास रचने के इरादे से मैदान पर उतरने वाले हैं। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप के के एक बेहद रोमांचक मुकाबले में आज पुर्तगाल का सामना डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो यानी डीआर कांगो से होने जा रहा है। दुनिया भर के फुटबॉल फैंस इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने के लिए उत्सुक हैं।

यह मुकाबला पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो के करियर का रिकॉर्ड छठा फीफा वर्ल्ड कप टूर्नामेंट होने जा रहा है। 41 साल की उम्र में भी रोनाल्डो जिस गजब की फिटनेस और फॉर्म के साथ मैदान पर उतर रहे हैं उसने फैंस की उम्मीदों को काफी बढ़ा दिया है। इस मैच में वे वर्ल्ड कप

के छह अलग-अलग सीजन में गोल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगे।

भारत में कितने बजे शुरू होगा मैच

भारतीय फैंस के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात इस मैच की टाइमिंग और प्रसारण को लेकर है। अमेरिका के टेक्सस स्थित 'स्टन स्टेडियम में खेले जाने वाले इस बड़े मुकाबले की शुरूआत भारतीय समयानुसार आज रात 10 बजकर 30 मिनट पर होगी। देर रात होने वाले इस मैच को लेकर भारत में फुटबॉल प्रेमियों के बीच जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है।

कहां देखें मैच का लाइव टेलीकास्ट

भारत में इस मैच के लाइव टेलीकास्ट और ब्रॉडकास्टिंग अधिकारों की बात करें तो फैंस इसे टीवी और मोबाइल दोनों पर आसानी से देख सकते हैं। टेलीविजन पर इस मैच का सीधा प्रसारण यूनाइटेड एट स्पोर्ट्स नेटवर्क के चैनलों पर किया जाएगा। फैंस हिंदी कमेंट्री के लिए यूनाइटेड एट स्पोर्ट्स 1 और अंग्रेजी कमेंट्री के लिए यूनाइटेड एट स्पोर्ट्स 2 चैनल ट्यून कर सकते हैं।

ऑनलाइन मैच देखने का जुगाड़

जो फैंस इस मैच को अपने मोबाइल, लैपटॉप या स्मार्ट टीवी पर डिजिटल रूप से देखना चाहते हैं उनके लिए भी खास इंतजाम है। इस पूरे टूर्नामेंट की लाइव स्ट्रीमिंग जीऽ ऐप और वेबसाइट पर आधिकारिक तौर पर उपलब्ध रहेगी। एक प्रामाणिक सब्सक्रिप्शन के जरिए भारतीय दर्शक बिना किसी रुकावट के इस महामुकाबले का लाइव आनंद उठा सकते हैं।

आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय खिलाड़ी को भयंकर चोट, लाइव मैच में गाड़ी से ले जाया गया बाहर

(जीएनएस)।

आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच के दौरान भारतीय खेमे से एक बेहद परेशान करने वाली खबर सामने आई है। भारतीय महिला टीम की उभरती हुई स्टार ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल मैच के दौरान एक बेहद दर्दनाक हादसे का शिकार हो गईं जिसके बाद पूरे स्टेडियम में सन्नाटा पसर गया।

यह दर्दनाक घटना मैच के दूसरे हाफ के दौरान घटी जब नीदरलैंड्स की टीम भारतीय टीम के विशाल लक्ष्य का पीछा कर रही थी। फील्डिंग के दौरान एक गेंद को रोकने के प्रयास में श्रेयंका पाटिल का पैर मैदान पर बेहद अजीब तरीके से मुड़ गया। वे वहीं पर गिर पड़ीं और दर्द से बुरी तरह कराहने लगीं।

श्रेयंका पाटिल को इस तरह दर्द में तड़पता देख कप्तान हरमनप्रीत कौर

और टीम के अन्य खिलाड़ी तुरंत उनके पास पहुंचे। मैदान पर मौजूद मेडिकल स्टाफ और फिजियो ने तुरंत आकर उनकी जांच की लेकिन चोट इतनी गंभीर थी कि श्रेयंका अपने पैरों पर खड़ी भी नहीं हो पा रही थीं।

स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाई गईं श्रेयंका

चोट की गंभीरता को देखते हुए बिना कोई देरी किए तुरंत मैदान पर स्ट्रेचर मंगाना पड़ा। श्रेयंका पाटिल को स्ट्रेचर पर लिटाकर, गोल्फ कार्ट में उनको बाहर लेकर जाया गया। इस भावुक और डरा देने वाले दृश्य को देखकर डगआउट में बैठी भारतीय टीम के साथ-साथ स्टेडियम में मौजूद प्रशंसकों के चेहरों पर भी चिंता की लकीरें साफ देखी जा रही थीं।

टीम इंडिया के वर्ल्ड कप अभियान को लग सकता है झटका

श्रेयंका पाटिल भारतीय महिला टीम के गेंदबाजी आक्रमण की एक बेहद महत्वपूर्ण कड़ी हैं जिन्होंने पिछले कुछ समय में अपने शानदार प्रदर्शन से टीम को कई मैच जिताए हैं। टूर्नामेंट के इस बेहद नाजुक मोड़ पर उनका इस तरह चोटिल होना भारतीय टीम के खिताबी सफर के लिए एक बहुत बड़ा और करारा झटका साबित हो सकता है।

स्कैन के बाद ही साफ होगी चोट की असली स्थिति

सूत्रों के अनुसार श्रेयंका पाटिल को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है जहां उनके पैर और घुटने का स्कैन कराया जा रहा है। डॉक्टरों की रिपोर्ट और स्कैन के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि उनकी यह चोट कितनी गंभीर है और वे इस टूर्नामेंट में आगे खेल पाएंगी या नहीं।

मोस्ट अवेटेड फिल्म 'अल्फा' : 'सीता अब लंका जलाने निकली है', आलिया भट्ट की 'अल्फा' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

(जीएनएस)।

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'अल्फा' का ट्रेलर आज यानी 17 जून 2026 (बुधवार) को रिलीज हो गया है और इसके साथ ही सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई है। यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की इस नई पेशकश में आलिया भट्ट पहले कभी न देखे गए अवतार में नजर आ रही हैं। ट्रेलर में हाई-वोल्टेज एक्शन, इमोशनल ड्रामा और कई बड़े ट्विस्ट देखने को मिलते हैं, जो दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा देते हैं।

'अल्फा' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

कुछ दिनों पहले फिल्म 'अल्फा' का टीजर रिलीज हुआ था, जहां आलिया भट्ट के दमदार एक्शन सीक्वेंस की झलक दिखाई गई थी। वहीं अब मूवी का ट्रेलर इसकी कहानी और उसके रहस्यमयी किरदारों की गहराई को सामने लाता है।

बचपन से तैयार की गई 'अल्फा'

-ट्रेलर की शुरूआत बॉबी देओल के किरदार से होती है, जो एक छोटी बच्ची का परिचय देते हुए उसकी मां का नाम जानकी बताते हैं और कहते हैं कि वह उसे 'सीता' बनाएंगे। इसके बाद कहानी तेजी से आगे बढ़ती है और आलिया भट्ट की एंट्री होती है।

-आलिया भट्ट अपने किरदार के जरिए एक प्रतीकात्मक कहानी सुनाती हैं, जिसमें एक राक्षस, एक राजकुमारी और सत्ता के लिए छिड़ी लड़ाई का जिक्र है लेकिन ये सिर्फ एक कहानी नहीं बल्कि फिल्म की असली साजिश और बदले की भावना की ओर इशारा करती है। ट्रेलर का सबसे दमदार डायलॉग तब सुनाई देता है जब आलिया कहती हैं कि इस बार सीता खुद लंका जलाने आई है।

-फिल्म में बॉबी देओल का किरदार 'फतेह' नाम के एक

खतरनाक और महत्वाकांक्षी व्यक्ति का है, जो अपने मिशन को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। हालांकि अब वही लड़की, जिसे उसने हथियार बनाया था, उसके साम्राज्य को खत्म करने के लिए मैदान में उतर चुकी है।

अनिल कपूर की दमदार मौजूदगी और ऋतिक रोशन की सस्पेंस एंट्री

ट्रेलर में अनिल कपूर भी एक अहम भूमिका में नजर आते हैं, जो आलिया भट्ट के मिशन का हिस्सा हैं। हालांकि उनके किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन उनकी मौजूदगी कहानी को और दिलचस्प बनाती है। वहीं ट्रेलर के लास्ट में ऋतिक रोशन की झलक दिखाई जाती है, जिसने फैंस के बीच उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया है। हालांकि मेकर्स ने अभी तक उनके किरदार की कोई जानकारी शेयर नहीं की है, जिससे फिल्म को लेकर रहस्य और भी गहरा गया है।

यशराज स्पाई यूनिवर्स की पहली फीमेल-लीड फिल्म

-'अल्फा' यशराज फिल्म्स के चर्चित स्पाई यूनिवर्स की 7वीं फिल्म है। खास बात ये है कि यूनिवर्स के इतिहास में पहली बार किसी महिला जासूस को कहानी के केंद्र में रखा गया है। फिल्म में आलिया भट्ट लीड रोल निभा रही हैं जबकि शरवरी वाघ, बॉबी देओल और अनिल कपूर जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

-फिल्म का निर्देशन शिव रवैल ने किया है और इसे बड़े पैमाने पर तैयार किया गया है। ट्रेलर देखने के बाद साफ है कि मेकर्स दर्शकों को एक्शन, थ्रिल और इमोशन से भरपूर सिनेमाई अनुभव देने की तैयारी में हैं।

3 जुलाई 2026 को रिलीज होगी फिल्म 'अल्फा'

ट्रेलर रिलीज के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता चरम पर पहुंच गई है। आलिया भट्ट के करियर की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में गिनी जा रही 'अल्फा' आगामी 3 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अब देखना दिलचस्प होगा कि स्पाई यूनिवर्स की ये नई कहानी बॉक्स ऑफिस पर कितना बड़ा धमाका करती है।

सोनू सूद की उपस्थिति में 43 चेंजमेकर्स हुए सम्मानित

(जीएनएस)।

समाज, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यमिता, नवाचार और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से रफ्तार हेडलाइन न्यूज द्वारा आयोजित 'समाज गौरव अवॉर्ड 2026' का भव्य आयोजन अहमदाबाद के द फोरम, शेला-बोपल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समारोह में गुजरात सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिष्ठित अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध अभिनेता एवं समाजसेवी सोनू सूद रहे, जिन्होंने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि "वास्तविक सफलता वही है जो समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाए। ऐसे सम्मान उन लोगों के लिए प्रेरणा हैं जो निस्वार्थ भाव से समाज और राष्ट्र के निर्माण में योगदान दे रहे हैं।"

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डीआरएम वेद प्रकाश, अपूर्व

गोयनका (गोयनका हॉस्पिटल) तथा आईएएस अधिकारी अंजू शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने सम्मानित व्यक्तित्वों के कार्यों की सराहना करते हुए समाज में उत्कृष्टता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

समारोह के दौरान कुल 43 उत्कृष्ट व्यक्तित्वों एवं संस्थाओं को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए 'समाज गौरव अवॉर्ड 2026' से सम्मानित किया गया। सम्मानित क्षेत्रों में उद्योग, स्टार्टअप, शिक्षा, चिकित्सा, सामाजिक सेवा, संस्कृति, कला और व्यवसाय सहित अनेक क्षेत्र शामिल रहे।

रफ्तार हेडलाइन के मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश गोयल ने कहा, "समाज गौरव अवॉर्ड केवल एक सम्मान समारोह नहीं, बल्कि उन लोगों के प्रति समाज की कृतज्ञता का प्रतीक है जो अपने कार्यों से सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। हमारा उद्देश्य ऐसे चेंजमेकर्स को एक मंच देना है, जिनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करें।"

अयोध्या ग्रुप की ओर से समीर शुक्ला एवं हिमांशु अग्रवाल ने कहा, "यह मंच उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित करने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन की संस्कृति को मजबूत करता है। हमें इस प्रतिष्ठित पहल का हिस्सा बनने पर गर्व है।"

ईशा रियल एस्टेट डेवलपर्स के चेयरमैन महेश कुशवाह ने कहा,"समाज गौरव अवॉर्ड उन असाधारण व्यक्तित्वों को पहचान देने का सशक्त माध्यम है जिन्होंने अपने कार्यों से समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ऐसे आयोजन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनते हैं।"

लखनऊ मेट्रो में अब एक कार्ड से पूरे देश में सफर, गो स्मार्ट कार्ड होंगे बंद

लखनऊ मेट्रो जल्द ही नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (NCMC) लॉन्च करेगी, जिससे यात्री देश भर की मेट्रो में एक ही कार्ड से सफर कर सकेंगे। मौजूदा गो स्मार्ट का ...और पढ़ें

एनसीएमसी से देश भर की मेट्रो में एक कार्ड पर सफर। गो स्मार्ट कार्ड तीन माह में बंद, बैलेंस ट्रांसफर नहीं। एयरटेल पेमेंट्स बैंक बिना शुल्क नए एनसीएमसी कार्ड देगा।

लखनऊ। अब कोच्चि सहित दूसरे शहरों की मेट्रो में सफर के लिए वहां टिकट की लाइन लगने की जरूरत नहीं होगी। लखनऊ सहित देश भर की इन मेट्रो में सफर एक ही कार्ड पर हो सकेगा। कानपुर और आगरा के बाद लखनऊ में भी नेशनल कामन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) की सुविधा शुरू करने की तैयारी है। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन (यूपीएमआरसी) ने एनसीएमसी की सुविधा शुरू करने के लिए ट्रायल पूरा कर लिया है। एक सप्ताह के भीतर यह सुविधा लांच हो जाएगी।

हालांकि एनसीएमसी कार्ड लांच होने के तीन माह के बाद मौजूदा गो स्मार्ट कार्ड को बंद किया जाएगा। ऐसे में यात्रियों को एनएसीएमसी लांच होने के तीन माह के भीतर गो स्मार्ट कार्ड के बैलेंस को समाप्त करना होगा। इस

कार्ड का बैलेंस एनसीएमसी में ट्रांसफर नहीं होगा। यात्रा के किराए में 10 प्रतिशत छूट देने की मौजूदा कार्ड की व्यवस्था एनसीएमसी में भी जारी रहेगी।

लखनऊ मेट्रो ने लगभग डेढ़ लाख गो स्मार्ट कार्ड जारी किए हैं। प्रतिदिन लगभग 90 हजार यात्री मेट्रो में सफर करते हैं। इसमें 45 हजार यात्री नकद राशि देकर टोकन, क्यूआर कोड से सफर करते हैं। वहीं, डेढ़ लाख स्मार्ट कार्ड के बाद भी केवल 45 हजार लोग गो स्मार्ट कार्ड से सफर करते हैं।

लखनऊ मेट्रो ने जिस एयरटेल पेमेंट बैंक से एनसीएमसी जारी करने का करार किया है, वह पुराने कार्ड के बदले नए कार्ड जारी करने पर जमा होने वाली 100 रुपये की सुरक्षा राशि नहीं लेगी। मौजूदा कार्ड की सुरक्षा राशि के बदले ही नया कार्ड जारी हो जाएगा। इसके लिए कानपुर व आगरा की तरह केवाइसी की जरूरत नहीं होगी। यात्री को अपना मोबाइल नंबर पंजीकृत कराना होगा उसपर ही एक ओटीपी आने के साथ एनसीएमसी जारी हो जाएगा।

यह कार्ड देश के कई बैंक भी जारी करते हैं। ऐसे में यात्री अपने बैंक से ही नए कार्ड जारी करवा सकते हैं। एनसीएमसी से यात्री ट्रेन में सीधे प्रवेश कर सकेंगे और यात्रा का किराया कार्ड से स्वतः कट जाएगा। इससे यात्री शापिंग करने के साथ एटीएम से नकदी भी निकाल सकेंगे। इससे पार्किंग का भुगतान भी किया जा सकेगा।

भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड ने एनसीएमसी का आटोमेटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम तैयार किया है।

लगातार हो रहा बदलाव

लखनऊ मेट्रो का आटोमेटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम बहुत पुराना है। इस कारण अब तक केवल टोकन प्रणाली और गो स्मार्ट कार्ड से सफर हो पा रहा था। फरवरी माह में ही मेट्रो प्रशासन ने क्यूआर कोड वाले टिकट की प्रणाली लागू की थी। इसके लिए एक अलग आटोमेटिक फेयर कलेक्शन गेट लगाया गया। इसी के तहत एनसीएमसी का ट्रायल भी मेट्रो प्रशासन ने शुरू कर दिया था।

बांग्लादेश में बनने जा रही थी 81 फीट ऊंची राम मूर्ति, अचानक क्या हुआ रोकना पड़ा काम

(जीएनएस)।

बांग्लादेश में भगवान राम की 81 फीट ऊंची मूर्ति बनाने की योजना को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी स्थित मंदिर परिसर में बनने वाली इस मूर्ति को दुनिया की सबसे बड़ी राम प्रतिमा बताया जा रहा था। लेकिन कट्टरपंथी संगठनों के विरोध और बढ़ते तनाव के बीच मंदिर समिति ने फिलहाल निर्माण कार्य रोक दिया है।

इस फैसले के बाद धार्मिक आजादी, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और सरकार की भूमिका पर नई बहस शुरू हो गई है। हिंदू संगठनों का कहना है कि अगर सभी धर्मों को बराबरी का अधिकार है तो फिर राम की मूर्ति पर इतना विरोध क्यों हो रहा है।

81 फीट की राम मूर्ति पर क्यों मचा विवाद?

गाइबांधा के श्री श्री राधा गोविंदा और काली मंदिर में 81 फीट ऊंची भगवान राम की मूर्ति बनाने का प्रोजेक्ट शुरू किया गया था। इसके साथ भगवान कृष्ण और भगवान शिव की मूर्तियां भी बनाई जानी थीं। करीब 22 करोड़ टका की लागत वाले इस प्रोजेक्ट का मकसद इलाके को बड़ा धार्मिक और पर्यटन केंद्र बनाना था। लेकिन कुछ इस्लामी संगठनों ने इसका विरोध शुरू कर दिया। विरोध बढ़ने के बाद स्थानीय प्रशासन और मंदिर समिति पर दबाव बना, जिसके चलते फिलहाल निर्माण कार्य रोक दिया गया।

मंदिर समिति ने काम रोकने की क्या वजह बताई?

मंदिर समिति का कहना है कि फैसला किसी दबाव में नहीं बल्कि

शांति बनाए रखने के लिए लिया गया है। मंदिर के सलाहकार श्यामलाल कुमार महंता ने कहा कि वे किसी तरह का विवाद नहीं चाहते और सभी समुदायों के बीच सौहार्द बना रहना चाहिए। उनके मुताबिक हर नागरिक को अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है, लेकिन ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जाना चाहिए जिससे तनाव बढ़े। हालांकि हिंदू संगठनों का कहना है कि अगर विरोध के कारण धार्मिक प्रोजेक्ट रुकेंगे तो अल्पसंख्यकों का भरोसा कमजोर होगा।

तस्लीमा नसरीन ने क्यों उठाए सवाल?

निर्वासित लेखिका और मानवाधिकार कार्यकर्ता तस्लीमा नसरीन ने इस मामले पर खुलकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि धार्मिक आजादी सिर्फ बहुसंख्यक समुदाय के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए बराबर होनी चाहिए। तस्लीमा ने सवाल किया कि जब देश में नई मस्जिदों के निर्माण पर कोई रोक नहीं है तो राम की मूर्ति या मंदिर प्रोजेक्ट का विरोध क्यों किया जा रहा है। उन्होंने इसे अल्पसंख्यकों के अधिकारों से जुड़ा मुद्दा बताया और कहा कि धमकियां और नफरत का माहौल लोकतांत्रिक समाज के लिए अच्छी बात नहीं है।

ढाका यूनिवर्सिटी के छात्रों ने क्यों किया प्रदर्शन?

राम की तस्वीर के कथित अपमान और मूर्ति विवाद के बाद ढाका यूनिवर्सिटी के हिंदू छात्रों ने विरोध मार्च निकाला। 'जागरूक छात्र' बैनर के तहत हुए इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कुछ कट्टरपंथी समूह जानबूझकर धार्मिक तनाव फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। छात्रों ने कहा कि भगवान राम करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र हैं और उनका अपमान स्वीकार नहीं किया जा सकता। प्रदर्शन के दौरान आरोपियों की गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग भी की गई।

प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांगें क्या हैं?

विरोध कर रहे छात्र और हिंदू संगठन कई मांगें सरकार के सामने रख रहे हैं। इनमें गाइबांधा मामले में शामिल लोगों की तुरंत गिरफ्तारी, दोषियों को कड़ी सजा, सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए ठोस कदम और कट्टरपंथी गतिविधियों पर रोक शामिल है। सबसे बड़ी मांग राम की 81 फीट ऊंची मूर्ति वाले प्रोजेक्ट को दोबारा शुरू करने की है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अगर सरकार धार्मिक स्वतंत्रता और बराबरी की बात करती है तो उसे अल्पसंख्यक समुदाय के धार्मिक अधिकारों की भी पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

पीजीआई में 87 नए फैकल्टी की नियुक्ति, विशेष सेवाओं की बढ़ेगी क्षमता

(जीएनएस)।

लखनऊ। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (पीजीआई) में लंबे समय से चल रही फैकल्टी की कमी दूर करने के लिए 87 नए संकाय सदस्यों की नियुक्ति की गई है। भर्ती प्रक्रिया का परिणाम जारी होने के बाद विभिन्न सुपर स्पेशियलिटी विभागों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की संख्या बढ़ेगी, जिससे मरीजों को बेहतर और समय पर उपचार मिल सकेगा। संस्थान प्रशासन के अनुसार, नियुक्त किए गए संकाय सदस्यों में तीन प्रोफेसर, आठ एसोसिएट प्रोफेसर और 76 असिस्टेंट प्रोफेसर हैं।

बाल रोग सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को मिलेगी रफ्तार

इन नियुक्तियों का सबसे अधिक लाभ बाल चिकित्सा से जुड़े सुपर स्पेशियलिटी विभागों को मिलेगा। सलोनी हार्ट सेंटर में विशेषज्ञों की संख्या बढ़ने से जन्मजात हृदय रोग, दिल में छेद, वॉल्व संबंधी विकार और जटिल हृदय सर्जरी वाले बच्चों के उपचार को गति मिलेगी। वहीं पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी और यूरोलॉजी सेवाएं भी मजबूत होंगी।

इन विभागों को मिले सबसे अधिक फैकल्टी

सबसे अधिक आठ फैकल्टी एनेस्थीसियोलॉजी विभाग को मिली हैं। माइक्रोबायोलॉजी में छह, रेडियोडायग्नोसिस में पांच, सीवीटीएस और ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन में चार-चार, कार्डियोलॉजी, इमरजेंसी मेडिसिन, एंडोक्राइन सर्जरी और हेमेटोलॉजी में तीन-तीन नए संकाय सदस्य नियुक्त किए गए हैं।

इसके अलावा नेफ्रोलॉजी, पीडियाट्रिक कार्डियक सर्जरी, न्यूरोसर्जरी, पीडियाट्रिक गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, मातृ एवं प्रजनन स्वास्थ्य, स्टेम सेल रिसर्च और पैथोलॉजी समेत कई विभागों को नई फैकल्टी मिली है। वहीं टेलीमेडिसिन, नियोनेटोलॉजी, न्यूरोलॉजी, पल्मोनरी मेडिसिन और पीडियाट्रिक यूरोलॉजी सहित अनेक विभागों में भी एक-एक विशेषज्ञ की नियुक्ति की गई है।

भारत ने बनाया वर्ल्ड कप में इतिहास, पावरप्ले में दर्ज किया रिकॉर्ड स्कोर, शेफाली-स्मृति मंधाना ने काटा गदर

(जीएनएस)।

आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की धाकड़ ओपनिंग जोड़ी ने मैदान पर वो गदर मचाया है जिसे इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। हेडिंग्ले के मैदान पर नीदरलैंड्स के खिलाफ खेले गए ग्रुप ए के एक बेहद महत्वपूर्ण मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने टी20 वर्ल्ड कप इतिहास का एक बहुत बड़ा कीर्तिमान अपने नाम कर लिया है।

इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत बेहद आक्रामक और धमाकेदार रही। स्टार ओपनर स्मृति मंधाना और विस्फोटक बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने नीदरलैंड्स के गेंदबाजी आक्रमण को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया। इन दोनों ने मिलकर शुरूआती छह ओवरों के पावरप्ले में बिना कोई विकेट खोए 59 रनों का विशाल स्कोर बोर्ड पर टांग दिया।

खुद का स्कोर ही कर दिया बराबर

इस तूफानी शुरूआत के साथ ही भारतीय महिला टीम ने टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में अपने संयुक्त रूप से सबसे बड़े पावरप्ले स्कोर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। इससे पहले भारत ने साल 2023 के टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ भी पावरप्ले में 59 रन ही बनाए थे।

भारतीय टीम के लिए स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने धमाकेदार अंदाज में बैटिंग की और तबाही मचा डाली। दोनों ने मिलकर टीम इंडिया को धाकड़ शुरूआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 115 रनों की भागीदारी की।

टीम इंडिया का बड़ा स्कोर

शेफाली वर्मा ने धमाकेदार अंदाज में फिफ्टी जमा डाली, उन्होंने 38 गेंदों में 55 रनों की पारी खेली। शेफाली वर्मा के बल्ले से 10 चौके आए। स्मृति मंधाना ने पिछले मैच की तरह इस बार भी तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी जारी रखते हुए 74 रनों की पारी खेली। मंधाना ने 47 गेंदों में 74 रनों की पारी खेली। मंधाना ने 11 चौके और 1 छक्के जड़े। इन दोनों बल्लेबाजों के अर्धशतकों की बदौलत टीम इंडिया ने 5 विकेट के नुकसान पर 209 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया।

12वीं में लाए 96.7% अंक, नीट एस्पिरेंट ने री-एग्जाम से पहले दे दी जान, रिया ने आखिरी नोट में क्या लिखा?

(जीएनएस)।

देहरादून के पटेल नगर क्षेत्र की चंद्रमणि कॉलोनी में रहने वाली 23 वर्षीय रिया की मौत ने परिवार और आसपास के लोगों को गहरे सदमे में डाल दिया है। पढ़ाई में हमेशा आगे रहने वाली रिया डॉक्टर बनने का सपना देख रही थी और इसी लक्ष्य को लेकर वह लंबे समय से नीट परीक्षा की तैयारी कर रही थी। 12वीं बोर्ड परीक्षा में 96.7 प्रतिशत अंक हासिल करने वाली रिया को परिवार की सबसे होनहार बेटियों में गिना जाता था।

हाल ही में उसने ठएएळ परीक्षा दी थी और उसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद भी थी। लेकिन अब उसके जाने के बाद घर में सिर्फ उसकी यादें बची हैं। मेज पर रखी किताबें, पढ़ाई के नोट्स और अधूरे सपने कई सवाल छोड़ गए हैं। परिवार के लोग अब भी समझ नहीं पा रहे हैं कि आखिर ऐसा क्या हुआ जिसने उनकी बेटी को इतना बड़ा कदम उठाने पर मजबूर कर दिया।

रिया ने क्यों मान ली जिंदगी से हार?

रिया की मौत के बाद पूरे इलाके में इस घटना की चर्चा हो रही है। पड़ोसी और रिश्तेदार यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर इतनी मेहनती और पढ़ाई में आगे रहने वाली छात्रा ने ऐसा कदम क्यों उठाया। परिवार के अनुसार रिया बचपन से ही पढ़ाई में बहुत अच्छी थी। वह अपने लक्ष्य को लेकर हमेशा गंभीर रहती थी। उसके पिता राजेश मल्ल बताते हैं कि बेटी ने कभी मेहनत से पीछे हटना नहीं सीखा। परिवार को पूरा भरोसा था कि वह एक दिन डॉक्टर जरूर बनेगी।

स्कूल में टॉप, आगे डॉक्टर बनने का सपना

रिया ने 12वीं बोर्ड परीक्षा में 96.7 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। उसने राजा राम मोहन राय एकेडमी में टॉप किया था। इस सफलता के बाद उसका सपना और मजबूत हो गया था। वह मेडिकल क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहती थी। परिवार भी उसकी पढ़ाई को लेकर पूरा सहयोग कर रहा था। घर में अक्सर मेडिकल कॉलेज और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा होती थी।

नीट की तैयारी में जुटी थी

रिया डॉक्टर बनने के लिए रिया लंबे समय से नीट परीक्षा की तैयारी कर रही थी। उसकी दिनचर्या पढ़ाई के इर्द-गिर्द ही रहती थी। कोचिंग जाना, नोट्स तैयार करना और घंटों पढ़ाई करना उसकी आदत बन चुका था। परिजनों का कहना है कि वह अपना ज्यादातर समय किताबों के साथ बिताती थी। उसने परीक्षा के लिए काफी मेहनत की थी और उसे अपने प्रदर्शन पर भरोसा भी था।

हाल ही में रिया ने नीट परीक्षा दी थी। परीक्षा देकर लौटने के बाद वह खुश दिखाई दी थी। उसे लग रहा था कि इस बार उसका चयन हो सकता है। परिवार का कहना है कि नीट में उसका प्रदर्शन अच्छा रहा था। लेकिन परीक्षा में पेपर लीक की खबरें सामने आने के बाद वह परेशान रहने लगी थी। उसे लगने लगा था कि कहीं उसकी मेहनत पर असर न पड़ जाए। धीरे-धीरे उसके व्यवहार में बदलाव दिखाई देने लगा। वह पहले की तुलना में ज्यादा शांत रहने लगी थी। हालांकि परिवार को उसकी परेशानी की गहराई का अंदाजा नहीं था।

'मम्मी-पापा आई लव यू'

पुलिस के मुताबिक मौके से एक नोट मिला है। इसमें उसने अपने माता-पिता के लिए सिर्फ इतना लिखा था, "मम्मी-पापा आई लव यू।"

यह छोटी सी पंक्ति अब परिवार के लिए उसकी आखिरी निशानी बन गई है। माता-पिता के लिए इस दर्द को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। जिस बेटी के भविष्य को लेकर उन्होंने इतने सपने देखे थे, उसकी यादें अब उनके साथ रह गई हैं।

भाई-बहनों के लिए मिसाल थी रिया

रिया घर की सबसे बड़ी संतान थी। उससे छोटी एक बहन और एक भाई हैं। परिवार के लोग बताते हैं कि वह जिम्मेदार स्वभाव की थी और हमेशा अपने भाई-बहनों को पढ़ाई के लिए प्रेरित करती थी। पड़ोसियों के अनुसार भी उसका व्यवहार बेहद शांत था। यदि किसी बच्चे को पढ़ाई में मदद की जरूरत होती, तो वह बिना झिझक उसकी सहायता करती थी। इसी वजह से इलाके में लोग उसे पसंद करते थे।

रिया का कमरा आज भी लगभग वैसा ही है जैसा पहले था। पढ़ाई की किताबें, मेडिकल प्रवेश परीक्षा के नोट्स और उसकी बनाई हुई योजनाएं अब भी वहां मौजूद हैं। मेज पर रखी कॉपियां उसकी मेहनत की गवाही देती हैं। दीवारों पर लिखे लक्ष्य अब भी दिखाई देते हैं। लेकिन उन सपनों को पूरा करने के लिए दिन-रात मेहनत करने वाली रिया अब उस कमरे में नहीं है।

'ये तो पुतिन के सामने घुटने टेकना है', ट्रंप पर भड़के अमेरिकी सांसद

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति ऊङ्गल्लं'ी ळ१४ेस्र को अपनी ही राजनीति के अंदर से बड़ा विरोध झेलना पड़ रहा है। दो डेमोक्रेटिक सीनेटर्स ने ट्रंप प्रशासन से मांग की है कि भारत समेत कुछ देशों को रूसी तेल खरीदने के लिए दी गई छूट को आगे न बढ़ाया जाए।

उनका कहना है कि ईरान युद्ध खत्म होने के बाद इस राहत को जारी रखने का कोई कारण नहीं बचा है। सीनेटर्स का आरोप है कि इस फैसले से रूस को आर्थिक फायदा हो रहा है और वही पैसा यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध में इस्तेमाल किया जा रहा है।

रूसी तेल पर छूट को लेकर बढ़ा विवाद

अमेरिका ने मार्च में कुछ देशों को रूसी तेल खरीदने पर लगी पाबंदियों में अस्थायी राहत दी थी। उस समय ईरान से जुड़े तनाव और तेल की बढ़ती कीमतों को देखते हुए यह फैसला लिया गया था। बाद में इस राहत को दो बार बढ़ाया गया। अब इसकी समयसीमा 17 जून को खत्म हो रही है। ऐसे में डेमोक्रेटिक नेताओं ने ट्रंप प्रशासन पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है कि इस छूट को अब आगे नहीं बढ़ाया जाना चाहिए।

जीन शाहीन और एलिजाबेथ वॉरेन ने उठाए सवाल

Jeanne Shaheen और ElizÔbeth Warrenने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि अगर लाइसेंस फिर से बढ़ाया गया तो इसका सबसे बड़ा फायदा रूस को मिलेगा। उनका कहना है कि राष्ट्रपति Vladimir Putinपहले से ही यूक्रेन के खिलाफ युद्ध जारी रखे हुए हैं और अतिरिक्त तेल आय से उनकी स्थिति और मजबूत होगी। दोनों नेताओं ने इसे अमेरिकी हितों के खिलाफ बताया है।

'ट्रंप को अपनी ही डील पर भरोसा नहीं'

सीनेटर्स ने कहा कि अगर ट्रंप प्रशासन एक बार फिर यह राहत देता है तो यह संदेश जाएगा कि खुद राष्ट्रपति को अपनी विदेश नीति और ईरान युद्ध खत्म होने के दावे पर भरोसा नहीं है। उनके मुताबिक, जब सरकार युद्ध खत्म होने की बात कर रही है तो फिर आपातकालीन राहत जारी रखने का कोई तर्क नहीं बचता। उन्होंने कहा कि ऐसा कदम ट्रंप की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े करेगा।

अमेरिकी जनता पर महंगाई का असर भी मुद्दा

दोनों सांसदों ने यह भी दावा किया कि तेल बाजार को स्थिर करने की कोशिशें सफल नहीं रही हैं। उनका कहना है कि आम अमेरिकी नागरिक अभी भी पेट्रोल, किराने के सामान और रोजमर्रा की जरूरतों की बढ़ती कीमतों से परेशान हैं। ऐसे में रूस को आर्थिक फायदा पहुंचाने वाली नीति जारी रखने का कोई फायदा नहीं है। सीनेटर्स ने कहा कि सरकार को पहले अमेरिकी परिवारों की चिंताओं पर ध्यान देना चाहिए।

'पुतिन के सामने घुटने टेकने जैसा कदम'

अपने बयान के अंत में दोनों नेताओं ने बेहद कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इस छूट को फिर से बढ़ाना "पुतिन के सामने घुटने टेकने" जैसा होगा। उनका तर्क है कि यूक्रेन अपनी आजादी और सुरक्षा के लिए लड़ रहा है, जबकि रूस तेल से होने वाली कमाई का इस्तेमाल उसी युद्ध को जारी रखने में कर रहा है। ऐसे में अमेरिका को ऐसी किसी भी नीति से बचना चाहिए जो मॉस्को को आर्थिक राहत पहुंचाए और युद्ध को लंबा करने में मदद करे।

खान सर विवाद के में तेजस्वी यादव की एंट्री! तेजप्रताप यादव के आरोपों के बाद छोटे भाई ने किसका दिया साथ?

(जीएनएस)।

पटना में दो बड़े कोचिंग संस्थानों के बीच शुरू हुआ टकराव अब लगातार गहराता जा रहा है। पहले मारपीट, तोड़फोड़ और कथित गोलीबारी के आरोपों ने इस विवाद को सुर्खियों में ला दिया था। लेकिन अब कोचिंग संचालक रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की नेपाल में हुई संदिग्ध मौत ने पूरे मामले को और भी संवेदनशील बना दिया है। इस घटना के बाद बिहार में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है और सोशल मीडिया पर भी तरह-तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं।

लोग जानना चाहते हैं कि आखिर इन घटनाओं के पीछे की सच्चाई क्या है। इसी बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मामले में हस्तक्षेप करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि विवाद और मौत से जुड़े सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच जरूरी है। तेजस्वी यादव का मानना है कि जनता के बीच बने संदेह को दूर करने और सच सामने लाने के लिए पूरे प्रकरण की जांच सीबीआई को सौंप दी जानी चाहिए, ताकि किसी भी तरह की आशंका या सवाल की गुंजाइश न रहे।

तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भेजे गए पत्र में कहा है कि हाल के दिनों में पटना के दो कोचिंग संस्थानों के बीच विवाद ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। विवाद के दौरान कथित तौर पर मारपीट, तोड़फोड़ और गोलीबारी जैसी घटनाओं की भी जानकारी सामने आई थी। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए थे, जिसके कारण मामला लगातार चर्चा में बना रहा। अब प्रिंस यादव की मौत की खबर आने के बाद लोगों के बीच और भी ज्यादा सवाल खड़े हो गए हैं।

प्रिंस यादव की मौत से बढ़ी चर्चा

पत्र में तेजस्वी यादव ने उल्लेख किया कि कोचिंग संचालक रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की नेपाल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है। इस घटना ने पूरे विवाद को और गंभीर बना दिया है। उनका कहना है कि लोग जानना चाहते हैं कि घटनाओं की असली कड़ी क्या है और आखिर पूरे मामले के पीछे की सच्चाई क्या है। ऐसे में निष्पक्ष जांच बेहद जरूरी हो जाती है।

पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल

नेता प्रतिपक्ष ने राज्य सरकार और बिहार पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया को लेकर लोगों के बीच कई तरह की शंकाएं पैदा हुई हैं।

तेजस्वी यादव के अनुसार, जब किसी मामले में निष्पक्षता को लेकर सवाल उठने लगें तो स्वतंत्र एजेंसी द्वारा जांच कराना जरूरी हो जाता है। इससे जांच की विश्वसनीयता भी बनी रहती है और सभी पक्षों को न्याय मिलने की उम्मीद बढ़ती है।

CBI को सौंपने की मांग

तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि मामले की गंभीरता और जनभावनाओं को देखते हुए पूरे प्रकरण की जांच CBI को सौंप दी जाए। उनका कहना है कि स्वतंत्र एजेंसी ही सभी पहलुओं की गहराई से जांच कर सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि जांच पूरी होने के बाद जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इससे लोगों का भरोसा मजबूत होगा और पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सकेगी।

बता दें, प्रिंस यादव के मौत के बाद से ही तेजस्वी यादव के बड़े भाई, तेज प्रताप यादव लगातार खान सर पर हत्या कराने का आरोप लगा रहे हैं।